जनपद बदायूं की सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की भ्रमण आख्या

भ्रमण अवधि– दिनांक 03 सितम्बर से 06 सितम्बर, 2019

राज्य स्तरीय टीम

1. श्री सौरभ तिवारी, सलाहकार, आर0के0एस0के0।
2. श्री अरुण श्रीवास्तव, कार्यक्रम समन्वयक, एस.पी.एम.यू.–एन.एच.एम.।

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में उपरोक्त टीम द्वारा दिनांक 03–06 सितम्बर 2019 के मध्य जनपद बदायूं का भ्रमण कर एल–3, एल–2 व एल–1 स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा स्कूलों में संचालित आर0के0एस0के0/आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम व सामुदायिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया। भ्रमण रिपोर्ट निम्नानुसार है–

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी–आर0सी0एच0, जनपद बदायूं के साथ बैठक में निम्नवत् बिन्दु प्रकाश में आये –

	अवलोकन बिन्दु	सुझाव/कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
1.	जनपद बिजनौर में उपकेन्दो के सुदढीकरण की आवश्यकता है। उपकेन्द्रों पर 24X7 सेवा प्रदान करने, पानी एवं बीजली की व्यवस्था आदि की आवश्यकता है। उक्त के क्रम में नियमित निरीक्षण एवं आशाओं/ए0एन0एम0 को प्रोत्साहित करते हुये अभिमुखीकरण करने का सुझाव दिया गया।	उपकेन्द्रों का नियमित निरीक्षण जनपद स्तर से अपेक्षित है।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक इकाई/ डी0सी0पी0एम0
2.	वित्तीय वर्ष 2018–19 में जनपद बिजनौर में कुल 16 वाहन सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु अनुबंधित किये गये थे किन्तु उक्त वाहनों की उपलब्धता होने के उपरांत भी मानकानुसार सहयोगात्मक पर्यवेक्षण नही किये जाते पायें गयें।	अवगत कराया गया कि सहयोगात्मक पर्यवेक्षण नियमित रूप से सम्पदित किया जाना एवं आख्याएं जल्द अपलोड कराने हेतु जिला कार्यक्रम प्रबंधक को निर्देशित किया।	ए0सी0एम0ओ0–आर0सी0एच0/जिला कार्यक्रम प्रबंधक इकाई
3.	जनपद बदायूं में कुल 16 सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के वाहन उपलब्ध हाने के उपरांत माह अप्रैल से अगस्त 19 तक मानकानुसार 1280 के सापेक्ष मात्र 231 भ्रमण आख्या/चेकलिस्ट http://www.upnrhm.gov.in एवं RMNCHA के पोर्टल पर अपलोड है, समस्त अधिकारी/कर्मचारी की भ्रमण आख्या पोर्टल पर अपलोड कराने की आवश्यकता है।		जिला कार्यक्रम प्रबंधक सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की समस्त आख्या/ चेकलिस्ट www.upnrhm.gov.in एवं RMNCHA पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।
4.	सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के परिपेक्ष राज्य में असमंजस्य की स्थिति पायी गयी। जनपदीय अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की चेकलिस्ट RMNCHA पोर्टल पर अपलोड की जाती है। www.upnrhm.gov.in पोर्टल पर District Upload Facility के माध्यम से आख्या अपलोड करने की जानकारी नही होना बताया गया।	उक्त सुझाव के क्रम में राज्य स्तर से समस्त जनपदों को सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की चेकलिस्ट RMNCHA पोर्टल पर एवं भ्रमण आख्या http://www.upnrhm.gov.in के पोर्टल पर अपलोड कराने का सुझाव दिया गया।	ए0सी0एम0ओ0–आर0सी0एच0/जिला कार्यक्रम प्रबंधक इकाई

5.	मूल्यांकन एवं अनुश्रवण अनुभाग के एफ0एम0आर0 कोड संख्या A.16.0021-16.1.3.4 Mobility Support BPMU/Block का व्यय नवीन एफ0एम0आर0 कोड संख्या 16.0178 Mobility Support for BPMU/Block में बुक किया पाया गया।	ब्लाक लेखा प्रबंधक को एफ0एम0आर0 कोड की जानकारी देते हुये समस्त व्यय को 16.1.3.4 में बुक कराने को कहा गया एवं जिला लेखा प्रबंधक महोदय के सहयोग से व्यय मानकानुसार बुक कराया गया। वित्त अनुभाग द्वारा उक्त असमंजस्य की स्थिति को दूर करने हेतु समस्त जनपदों को पत्र प्रेषित किये जाने की आवश्यकता है। नवीन एफ0एम0आर0 कोड के कारण कयी जनपदों द्वारा गलत एफ0एम0आर0 कोड में व्यय किया गया है।	वित्त नियंत्रक
6.	आर0के0एस0के0 कार्यक्रम के 04 प्रमुख मद (B.03.0021, A.02.0010, A.02.009 & A.02.002) में ब्लाक स्तर से व्यय न्यूनतम बुक किया गया था जिनमें 03 मद पियर एजुकेटर ब्लाक में संचालित ए0एच0डी0 कार्यक्रम से सम्बन्धित पाया गया। अन्य 01 किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक व आउटरीच एक्टीविटी के मद का पाया गया।	बैठक में मद संख्या लिखवाते हुये किये गये व्यय का बुक करने का सुझाव दिया गया साथ ही प्रत्येक माह काउन्सलर द्वारा किये जा रहे आउटरीच एक्टीविटी का भुगतान सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	आर0के0एस0के0 कोआर्डिनेटर, किशोर स्वास्थ्य काउन्सलर, ब्लाक लेखा प्रबंधक
7.	जनपद में डाटा आडिट की आवश्यकता है। भौतिक आकडों एवं पोर्टल पर अपलोड आकडों में भिन्नता पायी गयी।	ऑकड़ों की नियमित समीक्षा प्रत्येक स्तर के अधिकारियों द्वारा किया जाए। भिन्नता की भी जॉच सुधार करते हुए पोर्टल पर अपलोड कराये जाने का सुझाव दिया गया।	जनपदीय लेखा प्रबन्धक द्वारा समस्त ब्लाक लेखा प्रबन्धकों को उक्त हेतु सुझाव दिया गया ताकि भिन्नता न आने पायें।
8.	वित्तीय वर्ष 2019–20 में जनपद बदांयू में <u>जिला स्वास्थ्य समिति की 05 के सापेक्ष **00 कार्यकारी निकाय** एवं 05 के सापेक्ष **02 शासी निकाय** की बैठको के कार्यवृत्त पोर्टल पर अपलोड की</u> गयी है।	राज्य स्तरीय टीम के समक्ष जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई में 02 कार्यकारी निकाय एवं 02 जिला आडिट कमिटी के कार्यवृत्त पोर्टल पर अपलोड करा दिये गये। ए0सी0एम0ओ0– आर0सी0एच0 एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई द्वारा नियमित बैठक कर पोर्टल पर अपलोड कराने का आश्वासन दिया गया।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक
9.	वित्तीय वर्ष 2018–19 में जनपद बिजनौर में <u>जिला आडिट कमिटी एवं DISHA के कार्यवृत्त पोर्टल पर **शून्य** अपलोड किये गये है।</u>		
10.	विद्यालयों में विपस रजिस्टर आदि वर्तमान वित्तीय वर्ष के उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। कृमि मुक्ति दिवस एवं मापअप राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस आयोजित किया गया था किन्तु रजिस्टर में सही टिक का निशान लगा पाया गया। अध्यापको के अभिमुखिकरण की आवश्यकता है। साप्ताहिक आयरन एवं फोलिक एसिड संपूर्ण	टीम द्वारा प्रभारी अध्यापक को दिशा–निर्देशानुसार कृमि मुक्ति दिवस एवं मापअप दिवस में रजिस्टर पर Single & Double Tick किस प्रकार अंकित करना बताया गया। उक्त हेतु अभिलेखों को अद्यतन किये जाने का	नोडल अधिकारी / आर0के0एस0के0 काआर्डिनेटर / प्रभारी अध्यापक / ए0एफ0एच0सी0 परामर्शदाता

	कार्यक्रम (WIFS) के अन्तर्गत पिंक एवं ब्लू आयरन की गोलियां उपलब्ध पायी गयी किन्तु अभिलेख/रिपोर्ट को अद्यतन करने की आवश्यकता है। इंटर कालेजों में आयरन की अनुपलब्धता के कारण गोली नही खिलाई जाती पायी गयी।	सुझाव दिया गया। टीम द्वारा विद्यार्थियों को नियमित रूप से आयरन की गोलियां खिलाने का सुझाव दिया गया।	
11.	कई 102 एम्बुलेन्स व 108 एम्बुलेन्स में हूटर खराब, दवा बी0पी0 मापक यंत्र उपलब्ध नहीं है अथवा अक्रियाशील पाये गये। जनपद में संचालित समस्त 108/102 एम्बुलेन्स में ए0सी0 खराब था। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सैदपुर में कई मरीजों से वार्ता के क्रम में एवं टीम द्वारा लेबर रूम में प्राइवेट एम्बुलेन्स के विजिटिंग कार्ड प्राप्त होने से जानकारी प्राप्त हुयी मरीजो को प्राइवेट एम्बुलेंस के लिये प्रेरित किया जाता है। वाहनों में उपस्थित इ.एम.टी. को रक्तचाप नापना नही आता पाया गया।	चिकित्सा इकाई के प्रभारी द्वारा नियमित रुप से एम्बुलेन्स के रखरखाव, औषधियों की उपलब्धता एवं लागबुक की जॉच करायी जाये। प्राइवेट एम्बुलेन्स के परिपेक्ष में जांच की आवश्यकता है। टीम द्वारा उक्त के क्रम में जी0वी0के0 ई0एम0आर0आई0 प्रबंधक से तत्काल जांच करने का सुझाव दिया गया। तैनात कर्मियों का पुनः अभिमुखीकरण किया जाना आवश्यक है।	महाप्रबंधक ई0एम0टी0/चिकित्सा अधीक्षक/ई0एम0ई

<u>**नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र–ऊपरपारा**</u>

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गयी कार्यवाही
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मानकानुसार पर्याप्त स्थान की उपलब्धता नही थी।	• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को मानकानुसार रिलोकेशन कराये जाने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी एवं नोडल अधिकारी, एन.यू.एच.एम. के साथ वार्ता की गयी।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लैब में सिंक की व्यवस्था नही थी।	• नोडल अधिकारी, एन.यू.एच.एम. से वार्ता कर सिंक की व्यवस्था हेतु अनुरोध किया गया।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर राज्य स्तर से प्रेषित दिशा–निर्देशों के अनुरुप उपकरण नही पाये गये जैसे –Fire extinguizer, Condom Box, Oxygen cylinder, Tray, Delivery Kit, Macintosh, Foot Step, digital clock with temprature, Side Screen etc.	• राज्य स्तर से प्रेषित दिशा – निर्देशों के अनुसार प्रत्येक नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपकरण की उपलब्ध सुनिश्चित किये जाने हेतु नोडल अधिकारी, एन.यू.एच.एम. के साथ वार्ता की गयी।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मानकानुसार आई.ई.सी. का प्रदर्शन नही किया गया है।	• मानकानुसार आई.ई.सी. को प्रदर्शित कराये जाने हेतु सझाव दिया गया।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर तैनात स्टाफ नर्स एवं ए.एन.एम. को हाई रिस्क प्रेगनेंसी के लक्षणों के विषय में नही पता था।	• इस हेतु 01 दिवसीय कार्याशाला का आयोजन करते हुये सभी स्टाफ नर्सों एवं ए.एन.एम. को प्रशिक्षित कराये जाने का सुझाव दिया गया।
• रोगी कल्याण समिति की बैठक के रिकार्ड पूर्ण नही पाये गये।	• इस सम्बन्ध में नोडल अधिकारी, एन.यू.एच.एम., जनपदीय शहरी स्वास्थ्य समन्वय एवं डाटा कम एकाउन्ट असिस्टेंट के साथ वार्ता करते हुये तत्काल पूर्ण कराये जाने हेतु सुझाव दिये गये।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर तैनात स्टाफ नर्सों के द्वारा आई.यू.सी.डी. नही लगाया जा रहा है।	• इस सम्बन्ध में तत्काल कार्यवाही किये जाने हेतु नोडल अधिकारी एन.यू.एच.एम. से वार्ता की गयी।

• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर कान्डोम बाक्स, कम्प्लेन बाक्स, बायोमेट्रिक सिस्टम नही लगा हुआ था।	• इस सम्बन्ध में तत्काल कार्यवाही किये जाने हेतु नोडल अधिकारी एन.यू.एच.एम. से वार्ता की गयी।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर ई.डी.एल. की सूची, सन्दर्भन सेवाएं, हाई रिस्क प्रेगनेंसी के लक्षण, इत्यादि प्रदर्शित नही किया गया था।	• इस सम्बन्ध में तत्काल कार्यवाही किये जाने हेतु नोडल अधिकारी एन.यू.एच.एम. से वार्ता की गयी।

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द, बिसौली</u>

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गयी कार्यवाही
• उपस्थिति रजिस्टर में निम्नवत् कर्मचारियों द्वारा N लिखे जाने के उपरांत अधिलेखन करते हुये हस्ताक्षर किया गया पाया गया – श्री सुदेश सक्सेना, एस0टी0एस0 एवं श्री प्रमेन्द्र कुमार, एस0टी0एस0। भ्रमण दिनांक को श्री सुदेश सक्सेना, एस0टी0एस0 बिना जानकारी के कार्यालय से अनुपस्थित पाये गये। • सपोर्ट स्टाफ हेतु परिसर में 03 सफाई कर्मी तैनात है। उक्त में 01 सरकारी व 02 संविदाकर्मी है। उनके द्वारा कार्य में रुचि नही ली जाती एवं भ्रमण दिनांक में 01 मैटनटी लिव पर है, शेष श्रीमती भगवान श्री वृद्व है व सुनाई भी नही देता एवं कार्य सम्पादित करने में असमर्थ पायी गयी।	• उक्त के विरूद्व नियमानुसार कार्यवाही चिकित्सा प्रभारी से अपेक्षित है। • कार्य के प्रति उदासीनता प्रकट करने वाले कर्मचारियों के विरूद्व नियमानुसार कार्यवाही किया जाना अपेक्षित है।
• चिकित्सा इकाई मे स्थान की बेहद कमी पायी गयी। गेट पर मानकानुसार नाम नही अंकित पाया गया। परिसर में पुताई एवं सफाई की आवश्यकता है। • परिसर के अन्दर बिजली का टन्सफार्मर लगा है जो वृषा ऋतु में हादसे का कारक बनने की सम्भावना है। • बी0एम0डब्लू नियमित नही आती पायी गयी।	• गेट पर मानकानुसार नाम व परिसर की पुताई आदि आर0के0एस0 मद की धनराशि से किये जाने का सुझाव दिया गया। • बी0एम0डब्लू को नियमित आने व अनुबन्ध अनुसार कन्जूयमेबल सामग्री भी उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।
• आटोक्लेव का उपयोग विगत 03 माह से उपयोग में नही लाया जा रहा है। • ब्यावलर में पानी काफी दिनों से रखा हुआ था जिसके कारण उसमें लार्वा पाये गये। • एन.बी.एस.यू. कक्ष में विद्युत सप्लाई न होने के कारण एन.बी.एस.यू. अक्रियाशील है। • मीनी स्कैल लैब पंखे एवं पानी की व्यवस्था न होने के कारण अक्रियाशील है। मीनी स्कैल लैब में इक्सपायरी इन्जेकशन पाये गये। • प्रसव कक्ष में पानी की समुचित व्यवस्था नही है। • प्रसव कक्ष से समबद्व बाथरुम बहुत ही ज्यादा गंदी अवस्था में है। • प्रसव कक्ष में फोकस लाइट, ए.सी., फ्रिज, कैलीसपैड, मेकन्टास, काउच, इत्यादि उपकरण की उपलब्धता नही है। कैलीसपैड लगभग 1.5 वर्ष से अनुपलब्ध पाया गया।	• 06 स्टाफ नर्स की तैनाती उपरांत इस प्रकार की दशा से स्पष्ट है कि प्रसव कक्ष, मीनी स्कैल लैब, ए0एन0सी0 वार्ड मे तैनात समस्त कर्मचारियों द्वारा कार्य के प्रति बेहद उदासीनता प्रकट होती है। उक्त के अतिरिक्त टीम से सम्मुख स्टाफ नर्स द्वारा पूर्णताः असत्य बोला गया कि प्रातः काल ही ब्यावलर का प्रयोग किया गया जबकि उसमे जंग लगा व कीड़े पड़े पाये गये। टीम द्वारा अपने सम्मुख ब्यावलर साफ कराया गया। स्टाफ नर्स द्वारा बताया गया कि कैलीसपैड का प्रयोग किया जाता है एवं 01 क्रियाशील है किन्तु स्टाफ नर्स को हवा डालना तक नही आता पाया गया। उक्त हेतु समस्त स्टाफ नर्सो का अभिमुखीकरण किया जाना आवश्यक है।

• डिजीटल वजन मशीन सेल न होने के कारण अक्रियाशील है। • रेफरल स्लीप एवं चार्ज हैण्डवोवर रजिस्टर उपलब्ध नही है। • प्रसव रजिस्टर के रिकार्ड को पूर्ण रुप से नही भरा जा रहा है। • प्रसव हेतु आने वाली लाभार्थी का हिमोग्लोबिन एवं एच. आई.वी. की जांच नही की जा रही है। • पिछले डेढ साल से कैलीसपैड पंचर की अवस्था में उपयोग में लाया जा रहा है। उक्त हेतु स्टाफ नर्सो द्वारा इन्डेंट की प्रति भी नही उपलब्ध पायी गयी। • टी.बी. यूनिट में दवायें बिखरी हुई पायी गयी। • फोटोथेरिपी ए.एन.सी. वार्ड में अक्रियाशील अवस्था में रखी गयी है। ए.एन.सी. वार्ड में प्रकाश एवं पंखे की समुचित व्यवस्था नही है। • जे.एस.एस.के. प्रोग्राम के अन्तर्गत डाइट प्रदान नही की जा रही है।	• बीजली का कार्य प्रगति में पाया गया अतः अपेक्षित है कि शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण कर लिया जायेगा। • अन्य महत्वपूर्ण सामग्री के लिये इन्टेड भरवाते हुये तत्काल उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया। • टी.बी. यूनिट में दवायें सुव्यवस्थित करायी गयी। • जे.एस.एस.के. प्रोग्राम के अन्तर्गत डाइट का टेण्डर प्रगति मे है एवं शीध्र सुचारू हो जाना बताया गया।
• आशा को प्रदान की जाने वाली प्रतिपूर्ति राशि एव ंबी.सी. पी.एम. द्वारा दर्ज किये गये रिकार्ड में अन्तर पाया गया। • बी.सी.पी.एम. द्वारा आशाओं के पेमेण्ट से सम्बधिंत रिकार्ड पूर्ण नही किये जा रहे हैं। • बी.सी.पी.एम. को रोगी कल्याण समिति के दिशा–निर्देश एवं होने वाली बैठकों के विषय में कोई जानकारी नही है। • डाटा वेलिडेशन कमिटी का निर्माण हुआ पाया गया किन्तु नियमित बैठक सम्पादित नही की जाती पायी गयी एवं न ही अभिलेख उपलब्ध पाये गये।	• डाटा वेलिडेशन कमिटी की नियमित बैठक सम्पादित करते हुये समस्त अभिलेख अद्यतन किये जाने का सुझाव दिया गया। • बी0पी0एम0यू0 के कर्मचारियों को आर0के0एस0 संबंधित दिशा–निर्देश उपलब्ध कराते हुये अभिमुखीकरण किया गया।
• आर0बी0एस0के0 टीम – बी से वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि उनके द्वारा हद्रय रोगी बच्चों को अलीगढ़ मेडिकल कालेज मे सन्दर्भित किया जाता तो उनको न तो प्रमुखता प्रदान की जाती एवं चिकित्सकों द्वारा गलत व्यवहार किया जाता है जिससे बच्चे जाना नही चाहतें।	• उक्त के क्रम में उनके द्वारा नोडल अधिकारी से सम्पर्क स्थापित कर उक्त कार्य को सम्पादित करने का सुझाव दिया गया। साथ ही जनपद सहारनपुर जहां आर0बी0एस0के0 द्वारा कयी ह्रदय रोगी बच्चो का इलाज फोर्टिस अस्पताल में कराया गया उनसे सम्पर्क स्थापित करने का सुझाव दिया गया।
• अर्श क्लीनिक में श्री ब्रिजेश काउन्सलर के पद पर तैनात है किन्तु भ्रमण दिनांक को अवकाश पर पाये गये। उनके कक्ष में सुश्री शिखा, लैपरोस्कोपी काउन्सलर भी बैठती है। जबकि नियमानुसार दोनो में प्राइवेसी अत्यंत आवश्यक है। • कक्ष में कम्प्यूटर उपलब्ध है किन्तु प्रिन्टर नही है। परामर्श कक्ष में गोपनीयता सुनिश्चित कराने की आवश्यकता है।	• नियमानुसार दोनो को अलग अलग कक्ष में बैठने की आवश्यकता है। परिसर में कक्ष की कमी के कारण यदि उपलब्धता सुनिश्चित न हो सके तो आर0के0एस0 अथवा 1.3.1.6XXXXXX*AH/ RKSK Clinics मद से दोनो परामर्शदाताओं के मध्य पार्टिशन लगाया जाना आवश्यक है।

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द, सैदपुर</u>

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गई कार्यवाही
• इकाई पर सफाई व्यवस्था एवं उपकरणों का रख रखाव उचित तरीके से किया जा रहा है। • प्रसव कक्ष में उपकरण क्रियाशील एवं रिकार्ड पूर्ण पाये गये। • फार्मासिस्ट के द्वारा इक्सपायरी रजिस्टर तैयार नही किया गया था। • गैलरी में लगे हुये फायर इन्सटीग्यूटर खाली पाया गया। • जे.एस.एस.के. डाइट लाभार्थियों को प्रदान की जा रही है।	• उक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कायाकल्प अवार्ड प्राप्त कर चुकी है। समस्त अभिलेखों को अद्यतन करते हुये आर0के0एस0 की धनराशि से अन्य महात्वपूण कार्यो को पूर्ण किया जाने का सुझाव दिया गया।
• 108 एम्बुलेन्स संख्या UP 32 BG 9527 नवीन वाहन उपलब्ध पाया गया। उक्त वाहन में श्री देवेश कुमार एवं श्री जीत उपस्थित मिलें। वाहन में उपस्थित इ.एम.टी. को रक्तचाप नापना नही आता पाया गया। एम्बुलेन्स में दवाएं अव्यवस्थित रूप से रखी पायी गयी। एम्बुलेन्स के प्रपत्र में 02 रोगियों का 01 पी0सी0आर0 दिया जाता पाया गया।	• चिकित्सा इकाई के प्रभारी द्वारा नियमित रुप से एम्बुलेन्स के रखरखाव, औषधियों की उपलब्धता एवं लागबुक की जॉच करायी जाये। तैनात कर्मियों का पुनः अभिमुखीकरण किया जाना आवश्यक है।
• किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक में श्री अतुल मिश्रा, परामर्शदाता के पद तैनात मिले एवं क्नीनिक व्यवस्थित रूप से संचालित मिली। क्लीनिक में बी0एम0आई0 चार्ट नही लगा पाया गया। सनैटरी नैपकिन अनुपलब्ध पाया गया। विगत् 03 माह में काउन्सलर द्वारा 225 आउटरीच संत्र किये गये एवं 442 क्लाइंट को परामर्श दिया पाया गया।	• किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता आर0के0एस0के0 के मद से चार्ट आदि लगवाने हेतु अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करें।
• श्री सचिन, आर0के0एस0के0 कोआर्डिनेटर एवं श्री अतुल मिश्रा, किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता के साथ ब्लाक सैदपुर में संचालित पियर एजुकेटर कार्यक्रम का पर्यवेंक्षण किया गया। टीम को सुश्री वीना, सुश्री रीना, सुश्री कुमकुम कुमारी – स्कूल जाने वाले एवं श्री संजू – स्कूल न जाने वाले पियर उपलब्ध मिलें। पियर के पास पियर एजूकेटर रजिस्टर उपलब्ध पाये गये किन्तु भरे नही जाते पाये गये। टीम द्वारा 09 पियर का एजूकेटर का अभिमुखीकरण किया गया। उक्त क्षेत्र में नियमानुसार एक्टीव पियर एजूकेटर का चयन किया गया पाया गया। ए0एन0एम0 एवं आशा द्वारा पियर एजूकेटर कार्यक्रम की जानकारी का अभाव मिला।	• किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता द्वारा प्रत्येक आउटरीच एक्टीविटी में पियर का अमुखीकरण किया जाना अपेक्षित है। ए0एन0एम0 एव आशा का रिप्रेशर प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

जी0जी0आई0सी0 इण्टर कालेज, बदायूं–	
पर्यवेक्षण के बिन्दु	**की गयी कार्यवाही**
• इण्टर कालेज में श्रीमती विमला देवी प्रधानाचार्या पद पर तैनात मिली एवं इण्टर कालेज में कुल 239 विद्यार्थी पंजीकृत पाये गये। विपस कार्यक्रम संचालित नही पाया गया। दिनांक 09 अगस्त 2019 को स्वास्थ्य मंच का अयोजन कर किशोरियों का ज्ञानवर्धन किया गया। संबंधित आई0ई0सी0 कालेज में नही पायी गयी। विपस के प्रपत्र भरे नही जाते पाये गयें। • इण्टर कालेज में कृमि मुक्ति दिवस का अयोजन नही किया गया था।	• आर0के0एस0के0 काआर्डिनेटर व काउन्सलर से तत्काल अरबन क्षेत्र में संचालित स्कूलो/कालेजो की सूची तैयर कर आई0ई0सी0 उपलब्ध कराते हुये विपस कार्यक्रम संचालित करने का सुझाव दिया गया। उक्त के क्रम में जनपद स्तरीय पत्र के माध्यम से समस्त सरकारी व असहायता प्राप्त स्कूलो/कालेजों की सूची तैयार कर आर0के0एस0के0 कार्यक्रम को संचालित किया जाने का सुझाव दिया गया।
नकविया इस्लामिया गर्ल्स इण्टर कालेज, बदायूं–	
• इण्टर कालेज में श्रीमती हिना शाही प्रधानाचार्या पद पर तैनात मिली एवं कुल 1200 विद्यार्थी पंजीकृत पाये गये। विपस कार्यक्रम संचालित नही पाया गया। संबंधित आई0ई0सी0 कालेज में नही पायी गयी। विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का आभाव पाया गया। • इण्टर कालेज में कृमि मुक्ति दिवस का अयोजन नही किया गया था।	• आर0के0एस0के0 काआर्डिनेटर व काउन्सलर से तत्काल आई0ई0सी0 उपलब्ध कराते हुये विपस कार्यक्रम संचालित करने का सुझाव दिया गया। उक्त के क्रम में जनपद स्तरीय पत्र के माध्यम से समस्त सरकारी व असहायता प्राप्त स्कूलो/कालेजों की सूची तैयार कर आर0के0एस0के0 कार्यक्रम को संचालित किया जाने का सुझाव दिया गया।
पं0 दीन दयान उपाध्याय राजकीय मॉडल इण्टर कालेज, अर्सिस बर्खिन, बिनावर, सलारपुर–	
• इण्टर कालेज में कुल 1128 विद्यार्थी पंजीकृत पाये गये। विपस संबंधित आई0ई0सी0 कालेज में नही पायी गयी। विपस के प्रपत्र भरे नही जाते पाये गयें। विद्यालय में मात्र एक बाबू व एक प्रधानाचार्य तैनात पाये गये। विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का आभाव पाया गया। • इण्टर कालेज में कृमि मुक्ति दिवस का अयोजन किया गया था किन्तु मानकानुसार रजिस्टर में सिंगल व डबल डिक नही लगे पाये गये। साथ ही पानी की व्यवस्था नही उपलब्ध पायी गयी।	• आर0के0एस0के0 काआर्डिनेटर व काउन्सलर से तत्काल आई0ई0सी0 उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया। • टीम द्वारा विद्यार्थियों का अमुखीकरण किया गया साथ ही सुझाव दिया गया कि जनपद स्तरीय आर0के0एस0के0 काआर्डिनेटर व काउन्सलर नियमित भ्रमण करना सुनिश्चित करें। • प्रधानाचार्य महोदय को प्रपत्र संबंधी व कृमि मुक्तित दिवस मे रजिस्टर में लगाये जाने वाले टिक की जानकारी दी गयी। साथ ही प्रधान श्री बलबीर सिंह की सहायता से हैण्ड पम्प लगवाने हेतु अग्रेतर कार्यवाही का सुझाव दिया गया ताकि कृमि मुक्ति दिवस व विपस कार्यक्रम सुचारू रूप से किया जाना सम्भव हो सके।

जिला महिला चिकित्सालय बदायूं–

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गयी कार्यवाही
चिकित्सालय परिसरः–	
• जिला महिला चिकित्सालय में साफ सफाई संतोषजनक नही थी। • सिटीजन चार्टर अपडेटेड डिस्प्ले नहीं था। परिसर में टी0वी0 लगे पाये गये किन्तु अक्रियाशील थे।	• सिटीजन चार्टर को उचित स्थान पर अपडेट कराते हुए डिस्प्ले करने का एवं टी0वी0 को ठीक कराने का सुझाव दिया गया।
• 5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था। चिकित्सालय की गैलरी में मरीजों के तीमारदारों ने रैन बसेरा बना रखा था। चिकित्सालय में बेहद गंदगी पायी गयी।	• 5'5 मैट्रिक्स उपयुक्त स्थानों पर लगाने का सुझाव दिया गया। चिकित्सालय में बना रैन बसेरा में मरीजो के परिजनों को रूकने को कहा गया एवं भविष्य में उक्त की पुनर्रावर्ती न हो इसके लिये अधीक्षिका महोदया से गार्ड की तैनाती कर अग्रेतर कार्यवाही अपेक्षित है।
• ई0डी0एल0 का प्रर्दशन नियमित रुप सें नहीं किया जा रहा था।	• ई0डी0एल0 का प्रर्दशन कराया गया, नियमित रुप सें किये जाने तथा प्रतिदिन अपडेट करने का सुझाव दिया गया।
• शिकायत पेटिका उपलब्ध था किन्तु उपयोग में नही ंथा। अभिलेख उपलब्ध नही पाये गये।	• शिकायत निवारण पेटिका सही जगह लगाने व मानकानुसार क्रियाशील करने का सुझाव दिया गया।
आई0ई0सी0ः–	
• परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी। जो आई0ई0सी0 उपलब्ध थे वे काफी पुराने व धुधले हो चुके थे। डाइट चार्ट डिस्प्ले नहीं था।	• अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया। विभिन्न कार्यक्रमों यथा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन आदि की उपलब्ध सुविधाओं व सेवाप्रदाताओं का विवरण, फैमिली प्लानिंग इण्डेमनिटी स्कीम आदि का वाल पेन्टिंग के माध्यम से डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।
आर0के0एस0के0ः–	
• अर्श क्लीनिक में श्रीमती कमलेश कुमारी, किशोर स्वास्थ्य काउन्सलर तैनात मिली। परामर्शदाता से हुयी वार्ता के क्रम में ज्ञात हुआ कि उनको न तो स्वास्थ्य संबंधी कोई जानकारी है एवं न ही अभिलेखों को भरने आदि की जानकारी है। भरे जाने वाले आकड़े संदेहास्पद प्रतीत होते है। काउन्सलर को बी0एम0आई0 चार्ट दिखाने को कहा गया तो उनके द्वारा Snellen eye chart दिखाया गया।	• श्रीमती कमलेश कुमारी, किशोर स्वास्थ्य काउन्सलर का अभिमुखीकरण किये जाने एवं उनके द्वारा भेजे जाने वाले आकडे की नियमित जांच करने की आवश्यकता है।
परिवार नियोजन–	
• लगायी जाने वाली पी.पी.आयू.सी.डी. के लाभार्थियों से दूरभाष पर सम्पर्क किया गया। सम्पर्क के दौरान संज्ञान में आया कि लाभार्थियों के फोन नं0 गलत दर्ज किये जा रहे हैं। जैसे – 9639638504, 9639638505, 9639638506।	• सी.एम.एस. महोदया द्वारा इस पर रोष व्यक्त किया गया एवं आश्वत किया गया कि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नही होगी।
• महिला वार्ड में भर्ती महिला लाभार्थियों या उनके परिजनों को काउन्सलर द्वारा परिवार नियोजन, स्तनपान आदि के बारे में परामर्श दिया जा रहा है।	• निर्देश दिया गया कि भर्ती महिला लाभार्थियों या उनके परिजनों को परिवार नियोजन, स्तनपान आदि के बारे में सम्पूर्ण परामर्श दिया जाये।

• पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन हुए लाभार्थियों का फालोअप नहीं किया जा रहा है। ड्यू डेट से फालोअप रिकार्ड मैच नहीं कर रहे थे। फालोअप नही किया जा रहा है।	• चिकित्सा अधीक्षिका को सुझाव दिया गया कि प्रत्येक माह सेवाप्रदातावार उपलब्धि समीक्षा करें एवं इकाई में होने वाले प्रसव के सापेक्ष 30 प्रतिशत से अधिक पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन कराया जाना सुनिश्चित कराया जाए।
अन्य–	
• राज्य बजट से जनपद में किचेन एवं लाउन्ड्री का निर्माण कराया गया है जो कि 01 वर्ष पूर्व पूर्ण हो चुका है, परन्तु भवन को पैकफेड द्वारा अभी तक हस्तांतरित नही किया गया है।	• इस सम्बन्ध में राज्य कन्ट्रक्शन अनुभाग से सम्पर्क किया गया और महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य के यहां एस.ई. त्रिपाठी का नं. 9454455570 सी.एम.एस. महोदय को उपलब्ध कराया गया। सी.एम.एस. द्वारा तत्काल वार्ता की गयी जिस पर इसके सम्बन्ध में अग्रिम कार्यवाही हेतु आवश्सन दिया गया।
• भ्रमण के दौरान संज्ञान में आया कि लैब में ग्लब्स एवं सिरिंज की उपलब्धता बहुत कम थी।	• सी.एम.एस. महोदया से वार्ता कर तत्काल स्टोर से कम से कम अग्रिम 03 दिवसों के संभावित लाभार्थियों की संख्या के अनुसार ग्लब्स एवं सिरिंज की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी और भविष्य में उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने हेतु सी.एम.एस. महोदया से अनुरोध किया गया।
• जिला महिला चिकित्सालय में प्रत्येक माह औसतन 400 प्रसव कराये जाते हैं। • जिला महिला चिकित्सालय में प्रसव के दौरान भरी जाने वाली केस शीट को पूरा नही भरा जा रहा था। जैसे – की जाने वाली जांचो का रिकार्ड, सहमति पत्र पर मरीजों का रिकार्ड, पार्टोग्राफ का रिकार्ड एवं अन्य । • नये उपलब्ध कराये गये प्रसव रजिस्टर को पूर्ण रुप से भरा नही जा रहा था। • एम.सी.पी. कार्ड की उपलब्धता नही थी। • प्रसव कक्ष के समीप स्थित ए.एन.सी. एवं पी.एन.सी. वार्ड में जे.एस.एस.के. के अन्तर्गत डाइट का वितरण किया जा रहा था, परन्तु रिकार्ड पूर्ण नही किया जा रहा था। जैसे – वार्ड प्रभारी के हस्ताक्षर, रिलीविंग टाइम • अस्पताल में लगी हुई खिडकियों के शीशे खुले हुये थे, जिससे तीमारदारों द्वारा पान एव गुटका खाके बाहर थुका जा रहा था। • सम्पूर्णा क्लीनिक कक्ष के अन्दर काण्डोम बाक्स को लगाया गया था। • कैलशीयम की उपलब्धता में कमी होने के विषय में सी.एस.एम. महोदय द्वारा अवगत कराया गया। • अस्पताल में वायरिंग खुली एवं ए.सी. से वार्ड में पानी गिर रहा था। • S.N.C.U के Fridge में खाद्य् सामग्री रखी हुई थी।	• उपस्थित सभी स्टाफ को सी.एम.एस. एवं पर्यवेक्षण टीम के द्वारा सभी कालम को भरना बताया गया। • डी.पी.एम. से इस विषय में वार्ता के दौरान संज्ञान में आया कि 30,000 हजार एम.सी.पी. कार्ड प्रिंट हो गये जो 01 से 02 दिन में उपलब्ध करा दिये जायेगें। • इस सम्बन्ध में रिकार्ड को पूर्ण किये जाने हेतु स्टाफ को निर्देशित किया गया। • इस सम्बन्ध में सुझाव दिया गया कि इसको लॉक करवा दिया जाय एवं वेल्टीनेशन हेतु इग्जासट फैन लगवाया जा सकता है। सी.एम.एस. महोदय द्वारा इस पर सहमति प्रदान की गयी। • सपोर्ट स्टाफ को बुला कर इसे बाहर लगवा दिया गया और उसमें काण्डोम की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने हेतु काउन्सलर को बताया गया।

• S.N.C.U हेतु उपलब्ध कराये गये 12 नये Radiant Wormer Heating Problem के कारण एजेन्सी को वापस किया गया है जो अभी तक एजेन्सी के द्वारा उपलब्ध नही कराये गये हैं।	• सी.एम.एस.डी. स्टोर से वार्ता कर 01 लाख कैलशीयम उपलब्ध कराया गया। • इस सम्बन्ध में सी.एम.एस. द्वारा ठीक कराये जाने हेतु आश्वत किया गया। • तत्काल सभी खाद्य सामग्री को हटवाया गया और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो इस सम्बन्ध में निर्देशित किया गया।
• पी0पी0टी0सी0टी0 कक्ष में श्रीमती सुशमा देवी, परामर्शदाता तैनात मिली। लगभग 60–70 प्रति दिन कलाइंट लोड पाया गया। अगस्त 19 में 06 +ve केस पाये गये। काउन्सलर का यात्रा भत्ता विगत् 31 मार्च 2019 से लम्बित पाया गया।	• तुरंत यात्रा भत्ता देने का सुझाव दिया गया। साथ ही अत्याधिक +ve केस पाये जाने का कारक का जानने का सुझाव दिया गया।

जिला चिकित्सालय बदायूं–

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गयी कार्यवाही
• अर्श क्लीनिक में श्री मोहित श्रीवास्तव, किशोर स्वास्थ्य काउन्सलर तैनात मिला। परामर्शदाता से हुयी वार्ता के कम में ज्ञात हुआ कि इससे पूर्व कक्ष संख्या 08 में अर्श क्लीनिक संचालित था किन्तु तत्कालिन मुख्य चिकित्साधिकारी, डा0 राजेन्द्र प्रसाद के मौखिक निर्देश के कम में चिकित्सालय के समस्त काउन्सलर को एक स्थान पर बैठने के निर्देश दिये गये। नवीन स्थान में जगह की बेहद कमी होने के कारण आई0ई0सी सामग्री, बी0एम0आई0 चार्ट आदि लगाना एवं गोपनीयता सुनिश्चित करना सम्भव नही है। साथ ही वहां पर मैनटल हैल्थ कार्यकम की डा0 सुरवेश कुमारी, clinical psychologist, श्री प्रेम कुमार, Psychological Nurse एवं मो0 ईल्यास, social worder बैठते है। डा0 सुरवेश कुमारी, psychologist द्वारा आई0ई0सी0 लगाने से मना किया जाता है।	• उक्त हेतु कक्ष संख्या–08, अर्श क्लीनिक हेतु उचित स्थान प्रतीत होता है क्योकि वहां समस्त आई0ई0सी0 सामग्री का प्रदर्शन एवं गोपनीयता सुनिश्चित किया जाना सम्भव है। उक्त कक्ष में संतोषजनक स्थान उपस्थिति है।

उपरोक्त सभी बिन्दुओं पर मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया गया तथा सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु अपने स्तर से सम्बंधित को निर्देशित किये जाने का अनुरोध किया गया।

(अरुण कुमार श्रीवास्तव)
प्रोग्राम कॉर्डिनेटर, एन.यू.एच.एम.
एस.पी.एम.यू., लखनऊ

13/09/19
(सौरभ तिवारी)
परार्मशदाता, एन.एच.एम.
एस.पी.एम.यू., लखनऊ